प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

गृह विज्ञान महाविद्यालय में तीन–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

पंतनगर। 28 मार्च 2022। विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग तथा पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंध विभाग द्वारा अनुसूचित जाति की महिलाओं के कौशल विकास हेतु तीन–दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आज से प्रारम्भ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, निदेशक प्रसार, डा अनिल कुमार शर्मा थे। कार्यक्रम का प्रारम्भ करते हुए वस्त्र एवं परिधान विभाग की विभागाध्यक्ष, डा. शहनाज जहां ने मुख्य अतिथि डा. अनिल कुमार शर्मा; अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान, डा. अल्का गोयल, प्रतिभागी तथा अन्य उपस्थित गणमान्यजनों का स्वागत किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डा. अनिल शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण को उपस्थित प्रतिभागियों की समस्याओं के समाधान करने के लिए प्रायोजित किया गया है। उन्होंने कार्यक्रम के द्वारा महिलाओं को व्यवसाय व स्वरोजगार से जुड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान डा. अल्का गोयल ने बताया कि यह प्रशिक्षण आई.सी.ए.आर.–नेशनल इस्टीटूयट ऑफ एग्रीकल्चर इकोनोमिक्स एण्ड पॉलिसी रिसर्च ;छप्।च्द्ध द्वारा प्रायोजित किया गया है। उन्होंने ने महिलाओं के साथ चर्चा करते हुए कम्यूनिटी साइंस से संबंधित रोजगार के अवसरों के बारे में बताया। डा. गोयल ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं के कौशल विकास व स्वरोजगार के लिए अति आवश्यक है। डा. गोयल ने इस आयोजन के लिए प्रशिक्षण समन्वयक एवं सह प्राध्यापिका, वस्त्र व परिधान विभाग, डा. साक्षी तथा प्राध्यापिका, परिवारिक संसाधन एवं प्रबंध विभाग, डा. अदीति वत्स को बधाई दी। इस प्रशिक्षण में 34 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

इस तीन–दिवसीय प्रशिक्षण में पहले दिन महिलाओं को सिलाई मशीन की देख–रेख, रख–रखाव व उससे संबंधित तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। महिलाओं को सिलाई के लिए आवश्यक उपकरण व अन्य सामग्री के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। सह प्राध्याापिका, डा. साक्षी ने महिलाओं को सिलाई मशीन के विभिन्न भाग एवं उसकी देखभाल आदि के बारे में विस्तार से समझाया। प्राध्यापिका, वस्त्र एवं परिधान विभाग, डा. अनीता रानी ने सिलाई करते समय आने वाली समस्याओं का निदान, समायोजन व मरम्मत के बारे में व्यवाहारिक ज्ञान दिया।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन महिलाओं को ब्लॉक प्रिंटिग तकनीक में प्रशिक्षित किया जायेगा। प्राध्यापिका, वस्त्र एवं परिधान विभाग, डा. मनीषा गहलौत द्वारा महिलाओं को ब्लाक प्रिंटिग तकनीक का परिचय एवं उपयोग करने के बारे में बताया जाएगा। सहायक प्राध्यापिका, डा. सोनू रानी व डा. शेफाली मैसी द्वारा ब्लॉक प्रिंटिंग तकनीक में उपयोग होने वाले प्रिंटिग पेस्ट बनाने व कपड़े पर उपयोग करने की तकनीक का प्रशिक्षण महिलाओं को दिया जाएगा।

प्रशिक्षण के अंतिम दिन पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंध विभाग द्वारा महिलाओं को पेपर मैशी तकनीक में प्रशिक्षित किया जाएगा। पेपर मैशी तकनीक के माध्यम से कौशल वृद्धि विषय पर प्राध्यापिका, डा. छाया शुक्ला द्वारा विस्तृत जानकारी दी जाएगी। सत्र में तकनीकी विशेषज्ञ, श्री अजीत कुमार तथा श्रीमती चंद्रा रावत द्वारा महिलाओं को पेपर मैशी तकनीक का संपूर्ण व्यावाहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। महिलाओं द्वारा तकनीक को सीखने के साथ–साथ पेपर मैशी के माध्यम से कई छोटे उत्पाद जैसे फूलदान, पेन होल्डर आदि भी तैयार कराये जायेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागी महिलाओं को सिलाई संबंधी किट प्रदान करते मुख्य अतिथि, डा. अनिल कुमार।